The Resource Centre

Chhapte Chhapte

Date: 16/06/2016 **Page No: 12** **Location: Main** **Circulation: 75000**

Edition: Kolkata

Key to success: Treat your employee like your partner

राधेश्याम अग्रवाल, गोयनका की नयी पुस्तक 'बिजनेस द इमामी वे'

सफलता की कुंजी : कर्मचारी को पार्टनर समझो, विनम्र रहो

कोलकाता, 15 जून (संवाददाता)। इमामी समूह के संयुक्त चेयरमैन राधेश्याम अग्रवाल ने इस बार अपनी तीसरी पुस्तक व्यवसाय पर लिखी है। 'बिजनेस द इमामी वे' पुस्तक को लेकर 'ताजा टीवी व छपते छपते' ने राधेश्याम जी से सीधे बात की। इस किताब का उद्देश्य और विचार पर श्री अग्रवाल ने कहा कि हमने सीधी भाषा में व्यवसाय के अपने अनुभव को सबके साथ साझा करने की कोशिश की है। यह पुस्तक नये, स्थापित, बड़े व्यवसायी के साथ-साथ एग्जीक्यूटिव के लिए भी शिक्षाप्रद है। हमने विदेशी कार्यशैली को नहीं अपनाया है क्योंकि वह भारत के लिये उपयुक्त नहीं है। श्री अग्रवाल ने कहा कि व्यवसाय के दौरान नयी-नयी चीजें मैं नोट करता था और उसी को इस पुस्तक में उतारने की कोशिश की है। व्यवसाय जगत में श्री राधेश्याम अग्रवाल और श्री राधेश्याम गोयनका की जोड़ी एक किंवदंती की तरह है जो दिन पर दिन निखरती जा रही है।

इस बात पर श्री अग्रवाल ने बताया कि हम दोनों ने मिलकर सोचा था कि सफलतापूर्वक व्यवसाय करेंगे जिसे आज भी भगवान निभा रहा है। श्री अग्रवाल ने बताया कि व्यवसाय के शुरुआती चरण में जब सफलता नहीं मिली थी तो राधेश्याम गोयनका के पिताजी ने हमें हताशा से उबारने की प्रेरणा दी। बंगाल में उद्योग का माहौल नहीं है पर इमामी इसी माहौल में फल-फूल रहा है, के जवाब में इमामी के संयुक्त चेयरमैन ने कहा कि सफलता सोच और दृढ़ निश्चय से मिलती है। आप व्यवसाय शुरू तो कीजिये। अपनी 'ग्रेट सक्सेस' को विनम्रता पूर्वक स्वीकार करते हुए उन्होंने सफलता की टिप्स देते हुए कहा कर्मचारी को परिवार का सदस्य समझो, व्यवसाय में हिस्सेदार मानो, विनम्र रहो और लेने और रखने की भावना न हो तो कहीं विवाद नहीं होगा। देने का भाव रहे, लेने और रखने का भाव नहीं। देवता बनो, राक्षस मत बनो तो सब भाव चल जायेगा। हमारे किसी संयंत्र में आज तक एक दिन भी हड़ताल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यही चीज संयुक्त परिवार पर भी लागू होती है। अहम, अहंकार और दम्भ हर चीज को नष्ट कर देता है।

इमामी समूह के चेयरमैन द्वय राधेश्याम अग्रवाल व राधेश्याम गोयनका।

इमामी द्वारा अन्य कंपनियों के अधिग्रहण करने के कारण पर श्री अग्रवाल ने कहा कि हम उस कंपनी का उत्पाद, कीमत, संभावनाएं, वित्तीय स्थिति देखते हैं। रियल स्टेट के लालच में हम किसी कंपनी का अधिग्रहण नहीं करते। उन्होंने इमामी के उत्पाद में फिल्मी कलाकारों को शामिल करने पर कहा कि इससे रिकॉल वेल्यू मिलती है। अग्रवाल जी ने कहा कि स्वास्थ्य, वेल्थ, परिवार की भूमिका, समाज के प्रति योगदान ही व्यवसाय का आधार है और अध्यात्म है। इससे ब्रांड और गुडविल भी बढ़ती है। श्री राधेश्याम गोयनका के बारे में एक लाइन में उनकी राय पूछने पर श्री अग्रवाल ने कहा कि वे डिवाइन सबलाइन विथ एक्सट्रा ऑर्डिनरी ट्रेस के व्यक्ति हैं। हम दोनों की प्रवृत्ति देना है, रखना नहीं।

(ताज़ा टीवी पर पूरा इंटरव्यू देखें शनिवार रात 8.30 बजे)

Copyright of the article is with the publication